संघर्ष संदेश जत्था

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) संघर्ष संदेश जत्था निकाल रही है। यह जत्था देश भर में घुमेगा। इस क्रम में चार मुख्य जत्थे क्रमशः कन्याकुमारी, कोलकाता, मुंबई तथा अमृतसर से चलकर दिल्ली तक पहुंचेंगे। इन जत्थों का समापन, 19 मार्च को रामलीला मैदान में विशाल रैली के साथ होगा।

जत्थे का मकसद है, जनता के सामने खड़ी कुछ बड़ी समस्याओं व मुद्दों को रेखांकित करने और उन वैकल्पिक नीतियों को सामने रखना जिनकी वकालत सी पी आइ (एम) करती है। केंद्र की यूपीए सरकार की नीतियों के चलते लगातार कीमतें बढ़ी हैं, खेती संकट में है, बेरोजगारी बढ़ रही और बहुत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। जहां तक बुनियादी नीतियों का सवाल है, कांग्रेस और भाजपा में कोई अंतर नहीं है।

जत्थे अपने बुनियादी अधिकारों के लिए तथा सांप्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष के लिए और कांग्रेस तथा भाजपा दोनों द्वारा आगे बढ़ायी जा रही सत्यानाशी नीतियों को पलटने की मांग उठाने के लिए, जनता की एकता का आह्वान करेंगे। जत्थे निम्नलिखित क्षेत्रों पर खासतौर पर ध्यान केंद्रित करेंगे:

1. **भूमि और घर बनाने के लिए जमीन का अधिकार:** फालतू जमीन भूमिहीनों में बांटने के जरिए भूमि सुधार लागू करो। हरेक भूमिहीन परिवार के लिए घर बनाने के लिए जमीन की गारंटी करो।
2. **महंगाई पर रोक और खाद्य अधिकार:** अधिकतम 2 रु0 प्रति किलोग्राम की दर से 35 किलोग्राम का खाद्यान्न का हरेक परिवार का सार्वभौम अधिकार। गरीबी की रेखा के नीचे/ ऊपर (ए पी एल/ बी पी एल) पर आधारित, गरीबों की फर्जी गिनतियों को निरस्त किया जाए। खाद्यान्नों व अन्य आवश्यक वस्तुओं में वायदा कारोबार रोका जाए।
3. **शिक्षा और स्वास्थ्य का अधिकार:** शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण रोका जाए। शिक्षा तथा स्वास्थ्य के लिए आवंटन बढ़ाया जाए। शिक्षा के अधिकार के कानून के लागू किए जाने की गारंटी की जाए। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत किया जाए और निजी क्षेत्र पर कड़ा नियमन सुनिश्चित किया जाए।
4. **रोजगार का अधिकार:** नये रोजगार पैदा करना सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक निवेश बढ़ाए जाएं; भर्ती पर लगी पाबंदी उठायी जाए और सभी रिक्तियों को भरने के लिए तथा खासतौर पर अनुसूचित जाति/ जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के बैकलॉग के लिए, समयबद्ध तरीके से भर्ती सुनिश्चित की जाए; नरेगा के तहत कार्यदिवसों की संख्या बढ़ायी जाए, इस काम के लिए मूल्य सूचकांक से जोड़कर न्यूनतम मजदूरी दी जाए और इस कार्यक्रम का विस्तार कर, शहरी भारत में कार्यदिवस मुहैया कराने की गारंटी को जोड़ा जाए।
5. **सामाजिक न्याय सुनिश्चित करो:** महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर अंकुश लगाओ और राज्य विधायिकाओं तथा संसद में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान करो; छुआछूत की सामाजिक कुप्रथा तथा दलितों के साथ भेदभाव खत्म करो; आदिवासियों के भूमि व वनाधिकारों की हिफाजत करो; शिक्षा व रोजगार में मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के लिए समान अवसर मुहैया कराओ।
6. **भ्रष्टाचार रोको:** स्वतंत्र तफ्तीश की शक्तियों के साथ, लोकपाल कानून बनाओ; विदेशी बैंकों में छुपाकर रखा गया काला धन वापस लाओ; सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार नैगम घरानों से इस नुकसान की भरपाई कराओ; भ्रष्टों को जेल भिजवाओ।

जत्थों का कार्यक्रम:

0 **24 फरवरी--कन्याकुमारी से दिल्ली** के लिए जत्था रवाना होगा। इस जत्थे का नेतृत्व एस रामचंद्रन पिल्लै करेंगे और इसका नेतृत्व करने वाले दल में एम ए बेबी, के वरदराजन, वी श्रीनिवास राव तथा सुधा सुंदररमण शामिल होंगे।

0 **1 मार्च--कोलकाता से दिल्ली** के लिए जत्था रवाना होगा। जत्थे का नेतृत्व प्रकाश कारात करेंगे और नेतृत्व करने वाले दल में बिमान बसु, जोगेंद्र शर्मा, सुभाषिणी अली और जे एस मजूमदार शामिल होंगे।

0 **4 मार्च--अमृतसर में जलियांवाला बाग** से दिल्ली के लिए जत्था रवाना होगा। बृंदा कारात जत्थे का नेतृत्व करेंगी और नेतृत्व करने वाले दल में हन्नान मौल्ला, इंद्रजीत सिंह तथा राजेंद्र शर्मा शामिल होंगे।

0 **8 मार्च--मुंबई से दिल्ली** के लिए जत्था रवाना होगा। जत्थे का नेतृत्व सीताराम येचुरी करेंगे और नेतृत्व करने वाले दल में नीलोत्पल बसु, मोहम्मद सलीम तथा मरियम ढवले शामिल होंगे।

24 फरवरी को पार्टी के महासचिव, प्रकाश कारात कन्याकुमारी-दिल्ली जत्थे को रवाना करेंगे।

पूरक जत्थे

-- **23 फरवरी--गुवाहटी (असम) से कोलकाता** के लिए जत्था निकलेगा। पोलिट ब्यूरो सदस्य, माणिक सरकार इस जत्थे को रवाना करेंगे।

-- **24 फरवरी-- परालाखेमुंडी (ओडिशा) से कोलकाता** के लिए जत्था रवाना होगा।

-- **3 मार्च--शिमला (हिमाचल प्रदेश) से चंडीगढ़** के लिए जत्था रवाना होगा।

-- **6 मार्च--भावनगर (गुजरात) से इंदौर** के लिए जत्था रवाना होगा।

इसी दौरान विभिन्न उप-जत्थे भी संबंधित राज्यों में घूमेंगे और अंत में मुख्य जत्थों से जुड़ जाएंगे।

सभी मुख्य तथा पूरक जत्थे मिलकर, कुल 10,000 किलोमीटर का सफर तय करेंगे। जत्थे के लक्ष्य स्पष्ट करते हुए, प्रचार के लिए एक कितबिया निकाली गयी है, जिसकी दस लाख प्रतियां विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित की गयी हैं। 0